


**Internal Quality Assurance Cell
Hindu Kanya Mahavidyalaya, Jind
Event: Faculty Development Programme
on
'Macro Management & Time Management'
13th & 15th January 2024**

Two-day 'Faculty Development Programme' on the topic 'Macro Management & Time Management' was successfully concluded by 'Internal Quality Assurance Cell' of Hindu Kanya Mahavidyalaya, Jind on 13th and 15th January, 2024. The keynote speaker of the programme was Dr. Upasana Garg, Associate Professor of Commerce department of the college. On the first day of the Faculty Development Programme, the keynote speaker highlights the distinction between macro and micro management, emphasizing that macro management is the most consequential in the development of any institution. Macro management provides a positive and well-organized environment for the employees of any institution. This ensures maximum utilization of resources and time of the work place so that the functions of the institution can be conducted more optimally. On the second day of the talk, the keynote speaker told the importance of 'time management'. She insights that it is a 'necessary key' to achieve any goal in the institute on time so that the capacity of the employees can be utilized properly. Furthermore, she described four principles on time management - done, delegate, postpone and erase. At the end of the programme, Dr. Geeta Gupta, coordinator of the IQAC, proposed a vote of thanks on behalf of the organizing committee, acknowledging the active participation of the faculty members. Dr Punam Mor, the honourable principal madam, congratulated the cell coordinator and members on successfully organizing the event. All the faculty members and non-teaching staff members actively participated in the Faculty Development Programme. The event was a great success. The president of the governing body of the college Dr. Anshul Singla Ji and other members congratulated the Internal Quality Assurance Cell for their commendable efforts and also encouraged them to participate in such events in future also.

Glimpses and Media Coverage of the Event


Internal Quality Assurance Cell
 of
Hindu Kanya Mahavidyalaya, Jind
 Organizes
Two Days Faculty Development Programme
 for
Teaching and Non-teaching Staff
 on the topic
Macro Management & Time Management
 Date: 13th & 15th January, 2024
 Time: 10:30 AM
Key Note Speaker
Dr. Upasana
Associate Professor, HKMV Jind
 Convener
Dr. Geeta Gupta
 Principal
Dr. Poonam Mor




 **GPS Map Camera**
Jind, Haryana, India
 HSAS Consultancy, 35 B, HKMV, HKMV, Baal Bhawan Rd, Rani Talab, Jind, Haryana 126102, India
 Lat 29.317218°
 Long 76.320248°
 15/01/24 10:52 AM GMT +05:30



 **GPS Map Camera**
Jind, Haryana, India
 HSAS Consultancy, 35 B, HKMV, HKMV, Baal Bhawan Rd, Rani Talab, Jind, Haryana 126102, India
 Lat 29.317212°
 Long 76.320456°
 13/01/24 10:53 AM GMT +05:30

रोहतक, मंगलवार, 16 जनवरी 2024
haribhoomi.com

दो दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम संपन्न

किसी भी संस्थान के विकास में मैक्रो मैनेजमेंट सर्वाधिक महत्वपूर्ण: उपासना
 हरिभूमि न्यूज़ ११ जी०



हिंदू कन्या महाविद्यालय में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल द्वारा आयोजित मैक्रो प्रबंधन और समय प्रबंधन विषय पर दो दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम का समापन हुआ। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी शिक्षक एवं गैर शिक्षक कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्या डा. पूनम मोर की अध्यक्षता में किया गया। एसोसिएट प्रो. डा. उपासना गार्गी रही। उन्होंने मैक्रो एवं माइक्रो मैनेजमेंट विषय में अंतर बताते कहा कि किसी भी

यह कार्य स्थल के संसाधन व समय के अनुकूल आबंटन को निश्चित करती है। जिससे संस्थान के कार्यों को और अधिक बेहतर तरीके

से संचालित किया जा सकता है। कार्यक्रम के अंतिम दिन मुख्य वक्ता ने मैक्रो प्रबंधन में समय प्रबंधन की महत्ता को बताते कहा कि समय प्रबंधन संस्थान में किसी भी लक्ष्य को समय पर प्राप्त करने के लिए सर्वाधिक जरूरी है एवं इससे कर्मचारियों को क्षमता का भी सही तरीके से प्रयोग किया जा सकता है।

जीन्द, मंगलवार 16 जनवरी, 2024
www.jagatkranti.co.in

समापन हुआ 11 के सभी शिक्षक कर्मचारियों ने 1

मैक्रो प्रबंधन और समय प्रबंधन विषय पर कार्यक्रम संपन्न

जगत क्रान्ति ११ जी०

कार्य करने का सकारात्मक एवं सुव्यवस्थित माहौल प्रदान करवाती है। यह कार्यस्थल के संसाधन व समय के



आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल द्वारा आयोजित मैक्रो प्रबंधन और समय प्रबंधन विषय पर दो दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम का समापन हुआ। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी शिक्षक एवं गैर शिक्षक कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय प्राचार्या डॉ पूनम मोर की अध्यक्षता में किया गया। व्याख्यान की मुख्य वक्ता हिंदू कन्या महाविद्यालय के वाणिज्य संकाय की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ उपासना गार्गी रही। संकाय विकास कार्यक्रम के प्रथम दिन मुख्य वक्ता ने मैक्रो एवं माइक्रो मैनेजमेंट विषय में अंतर बताते हुए कहा कि किसी भी संस्थान के विकास में मैक्रो मैनेजमेंट सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। मैक्रो मैनेजमेंट संस्थान के कर्मचारियों को

अनुकूल आबंटन को निश्चित करती है जिससे संस्थान के कार्यों को और अधिक बेहतर तरीके से संचालित किया जा सकता है। महाविद्यालय प्राचार्या ने सेल की समन्वयक एवं सदस्यों को सफलतापूर्वक कार्यक्रम आयोजन करवाने पर बधाई दी। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रत्येक कर्मचारी ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई।